

भारत सरकार
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
(समन्वय अनुभाग)

टेक्नोलॉजी भवन
नई मेहरौली रोड
नई दिल्ली-110016
23.03.2022

कार्यालय ज्ञापन

विषय: मंत्रिमंडल के लिए दिसंबर, 2021 माह का मासिक सारांश।

अधोहस्ताक्षरी को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के 31 दिसंबर, 2021 को समाप्त माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों एवं प्राप्त मुख्य उपलब्धियों के मासिक सारांश की एक प्रति सूचना हेतु भेजने का निर्देश हुआ है।

2. इस मासिक सारांश को सचिव, डी. एस. टी. द्वारा पहले ही अनुमोदित कर दिया गया है।

(पुलक सेन गुप्ता)
अवर सचिव, भारत सरकार

सेवा में,
मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य (Annexure-I)

अनुलग्नकों के साथ प्रति अग्रेषित:

1. उपाध्यक्ष, नीति आयोग, नीति भवन, नई दिल्ली(vch-niti@gov.in)
2. अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग(chairman-upsc@gov.in)
3. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, नीति आयोग नीति भवन(ceo-niti@gov.in)
4. प्रधानमंत्री के मुख्य सचिव, प्रधानमंत्री कार्यालय, साउथ ब्लॉक (pkmishra.pmo@gov.in)
5. नीति आयोग के सभी सदस्य, नीति भवन, नई दिल्ली (vk.saraswat@nic.in, rc.niti@gov.in, vinodk.paul@gov.in)
6. भारत के राष्ट्रपति के सचिव (secy.president@rb.nic.in)
7. भारत के उपराष्ट्रपति के सचिव (secyvp@nic.in)
8. भारत सरकार के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार (vijayraghavan@gov.in)
9. भारत सरकार के सचिव (secy-goi@ismgr.nic.in)
10. मुख्य महानिदेशक, प्रेस इनफॉर्मेशन ब्यूरो (pdg-pib@nic.in)
11. निदेशक, केबिनेट सेक्रेटेरिएट (cabinet@nic.in)
12. डॉ रबीन्द्र पानीग्रही (मासिक सारांश को डीएसटी वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए)

(rabindra.p@gov.in)

13. सचिव डीएसटी के पी. एस. ओ. (anuj.tripathi@nic.in)

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

मासिक रिपोर्ट

दिसंबर, 2021

I. माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्राप्त प्रमुख उपलब्धियां:

क. समाज के लिए विज्ञान

1. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उन्नत अध्ययन संस्थान (आईएसएसटी), गुवाहाटी ने गांव "सतारगांव" को गोद लिया है, जिसमें मुख्य रूप से असम मूल के लोग बसते हैं। ग्रामीण आजीविका को कैसे बेहतर बनाया जाए, इस पर ग्रामीणों के साथ विचार-मंथन भी किया गया।
2. विभिन्न स्वायत्त संस्थानों ने 7वें "इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल" (आईआईएसएफ) में भाग लिया, जो 10-13 दिसंबर, 2021 तक पणजी, गोवा में आयोजित किया गया और इसमें संस्थान द्वारा किए गए विभिन्न अनुसंधान और विकास कार्यक्रमों को प्रदर्शित किया गया।
3. श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, (एससीटीआईएमएसटी), त्रिवेंद्रम (विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार) और भारतीय जेएसपीएस पूर्व छात्रसंघ (आईजेए) ने विज्ञान संवर्धक जापानी सोसाइटी (जेएसपीएस) द्वारा प्रायोजित तथा जापान में भारतीय दूतावास द्वारा सहायित 'नोबेल पुरस्कारविजेता विज्ञान और प्रौद्योगिकी सेमिनार माला' का संयुक्त रूप से आयोजन डीएसटी-भारत और जेएसटी-जापान के सह-सन्निध्य में किया।

ख. प्रौद्योगिकी विकास

1. राष्ट्रीय नवोन्मेष प्रतिष्ठान (एनआईएफ) इलाहाबाद ने नवीकरणीय ऊर्जा आधारित ग्रामीण आजीविका समर्थकारी मशीन तथा खेत से खुदरी एकीकृत मूल्य श्रृंखला के स्थापन पर विशेष फोकस के साथ कपड़े की कटाई बुनाई और परिसज्जन जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञतावाले उद्यम को आधारभूत नवोन्मेषकों द्वारा विकसित प्रौद्योगिकी, सिल्क-रीलिंग मशीन, के अनुज्ञापन हेतु सुकर किया।
2. राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान ने श्रीमती असावरी पोशतीवार और श्री सुधाकरराव पोशतीवार द्वारा विकसित महाराष्ट्र की धान किस्म 'पार्वती सुत-27' का फील्ड सत्यापन और दस्तावेजीकरण किया; और शीघ्र उपज, बेहतर छोटे सुगंधित दाने, उत्पादक टिलर की अधिक संख्या और भोजन पकाने में अच्छी गुणवत्ता जैसे इसके गुण आईसीएआर-केवीके शिंढेवाही द्वारा साइट पर क्षेत्र सत्यापित किए गए।
3. इंटरनेशनल एडवांस्ड रिसर्च सेंटर फॉर पावर मेटलर्जी एंड न्यू मैटेरियल्स (एआरसीआई)

ने सोलर पी वी ग्लास पर ब्रॉड-बैंड एंटी-रिफ्लेक्टिव कोटिंग का प्रदर्शन कंपनी के समक्ष किया। कंपनी को आपूर्ति की गई 100 लीटर कोटिंग सोल ने लक्षित ट्रांसमिशन मान को हासिल किया।

4. डीएसटी ने 10 दिसंबर, 2021 को ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, एमओपी द्वारा आयोजित बाजार परिवर्तन ऊर्जा कुशल साधित्र की भूमिका पर आभासी राष्ट्रीय कार्यशाला में कम ऊर्जा में इमारतों को गरम और ठंडा करने वाली अपनी पहल प्रस्तुत की।
5. एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा सामग्री त्वरण मंच के तहत तीसरा प्रस्ताव मूल्यांकन 06 दिसंबर, 2021 को किया गया। तीन एमएपी की ; डीएसटी बायोएनर्जी एंड हाइड्रोजन मैप, डीएसटी-मैटेरियल मैप और डीएसटी-स्टोरेज मैप, पहचान की गई ।

ग. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

1. **21वां भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन:** इस अवसर पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 6 दिसंबर, 2021 को नई दिल्ली, भारत में 21वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए मुलाकात की। इसमें अगले 5 वर्षों के विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष (एसटीआई) सहयोग का नया रोडमैप विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अंतरराष्ट्रीय सहयोग प्रभाग के प्रमुख और रूसी संघ के विज्ञान और उच्च शिक्षा मंत्रालय में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग विभाग के निदेशक द्वारा बनाया गया। इस रोडमैप का उद्देश्य दोनों देशों के बीच नवोन्मेष से संबंधित सहयोग को बढ़ावा देना और आर्थिक एवं सामाजिक प्रभाव डालने वाली प्रौद्योगिकीय वाणिज्यीकरणार्थ पूर्ण चक्रीय संयुक्त परियोजना सहायता पर ध्यान केंद्रित करना है।
2. **प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन, 2021:** भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की साझेदारी में नीदरलैंड, ब्राजील, कनाडा, रूस जैसे भागीदारों के साथ डिजिटल मंच पर 16 से 17 दिसंबर, 2021 तक सताईसवें डीएसटी-सीआईआई प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन का सह-आयोजन किया। शिखर सम्मेलन ने प्रौद्योगिकी और व्यापार साझेदारी का पता लगाने और इस तरह नवोन्मेष, निवेश और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए उच्च स्तरीय प्रौद्योगिकीय अग्रतावालों से संवाद किया। 2 दिनों की अवधि में लगातार 100 से अधिक बी 2 बी बैठकें हुईं।
3. **प्रौद्योगिकी आधारित ऊर्जा सेवा: इन्नोवेशन फ़ॉर नेट ज़ीरो:** अमेरिका-भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी अक्षय कोष (यूएसआईएसटीईएफ) ने 17 दिसंबर, 2021 को *प्रौद्योगिकी आधारित ऊर्जा सेवा: इन्नोवेशन फ़ॉर नेट ज़ीरो* शुरू किया है। यह, स्वच्छ ऊर्जा और सातत्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को सहायित करने की नई पहल है। इसका उद्देश्य अगली पीढ़ी की स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण और कार्बन

प्रच्छादन (सिक्वेस्ट्रेशन) के क्षेत्रों में जलवायु और स्वच्छ ऊर्जा चुनौतियों से निपटने के लिए नई प्रौद्योगिकियों, उपकरणों और तंत्रों के विकास और कार्यान्वयन पर गौर करने वाली आशाजनक संयुक्त अमेरिका-भारत एसएंडटी आधारित उद्यमशीलता पहलों का चयन और सहायता करना है ।

घ. मानव क्षमता निर्माण

1. हिंदी सलाहकार समिति की बैठक 17 दिसंबर, 2021 को इंडिया हैबिटेड सेंटर, नई दिल्ली में माननीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। विभिन्न गैर-सरकारी और सरकारी सदस्यों ने बैठक में भाग लिया और डीएसटी में हिंदी के उपयोग को बेहतर बनाने और बढ़ावा देने के बारे में कई सुझाव दिए।
2. दिनांक 18-19 दिसंबर, 2021 को हिमाचल प्रदेश राज्य जलवायु परिवर्तन के तहत पर्यावरण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा **जलवायु परिवर्तन प्रेरित जोखिम और अरक्षितता -हिमालय में हिमनद झील प्रकोप बाढ़** न्यूनन क्षेत्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।
3. अंतर्राष्ट्रीय अर्ध-शुष्क उष्णकटिबंधीय फसल अनुसंधान संस्थान (आईसीआरआईसैट), हैदराबाद में स्थापित डीएसटी सेंटर ऑफ एक्सिलेंस (सीओई) द्वारा दो एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया।
4. विज्ञान ज्योति: दिसंबर माह में दसवीं कक्षा के लिए सी-स्टेम कार्यशालाओं के दो सत्र आयोजित किए गए। सत्र में बिजली से लेकर इंटरनेट ऑफ थिंग्स तक के आधारभूत विचारों को शामिल किया गया ।
5. **संस्थान परिवर्तनकारी महिला उन्नति (जीएटीआई):**

मैनचेस्टर विश्वविद्यालय द्वारा ग्रुप 3 जीटीआई प्रमुख संस्थानों, आईआईसीटी हैदराबाद, एससीटीआईएमएसटी, आईआईटी कानपुर, दिल्ली विश्वविद्यालय, एमएस बड़ौदा विश्वविद्यालय के लिए “जीटीआई-द सेल्फ असेसमेंट प्रोसेस” पर वर्चुअल सत्र का आयोजन किया गया ।

एस्टन विश्वविद्यालय ने परियोजना के चरण तीन सत्र में डेटा संग्रहण और विश्लेषण पर चर्चा के लिए गति पायलट भारतीय संस्थान आरजीसीबी, आईएआरआई, एनआईटी दुर्गापुर, आईआईटी बॉम्बे और तेजपुर विश्वविद्यालय के अपने सदस्य को आमंत्रित किया ।

6. **महिला वैज्ञानिक योजना:**

एस एंड टी के माननीय मंत्री ने महिला वैज्ञानिक योजना-सी (डब्ल्यूओएस-सी) के बाहरवें बैच के अभिविन्यास कार्यक्रम का उद्घाटन और डब्ल्यूओएस-सी के 11वें बैच की महिला वैज्ञानिकों को प्रमाण पत्र का वितरण भी 21 दिसंबर, 2021 को किया। डब्ल्यूओएस-सी के 12 बैच में चयनित महिला वैज्ञानिकों के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआरएस) के सैद्धांतिक पहलू पर एक महीने का अभिविन्यास कार्यक्रम शुरू किया गया है।

इ. वैज्ञानिक अनुसंधान

1. बोस इंस्टीट्यूट (बीआई), कोलकाता ने प्रदर्शित किया कि सर्न लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर (एलएचसी) में अल्ट्रा-सापेक्षता प्रोटॉन-प्रोटॉन टक्करों से निर्मित हैड्रॉन जोड़े के बीच संवेग अंतराल में सहसंबंधों का मापन ऐसा सटीक तरीका प्रदान करता है जो भौतिकविदों को न्यूक्लियॉन-हाइपरऑन इंटरैक्शन के कम दूरी के हिस्से के बारे में विस्तार से निर्धारित करने में सक्षम बनाता है।
2. बोस इंस्टीट्यूट से पता चला है कि टर्नरी अंतर धातु एलएएमएन²एसआई² कक्ष तापमान में चुंबकीय रेफ्रिजरेटर के लिए उपयोगी यौगिक हो सकता है। बेहतर तरीके से समझने के लिए, मॉटे कार्लो सिमुलेशन प्रक्रिया के माध्यम से कला संचरण के परितः चुंबकीय गुणों और महत्वपूर्ण व्यवहार का विस्तृत अध्ययन किया गया है। इस यौगिक में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जित किए बिना कमरे के तापमान पर चुंबकीय रेफ्रिजरेटर के लिए अच्छी संभावना पाई गई है।
3. बीआई ने परिरूद्ध सुपरक्रिटिकल टोल्यूईन वातावरण में सेल्फ सीडिड बॉटम-अप थ्री फेज ग्रोथ के माध्यम से स्थिर एसटी12-जीई नैनोवायर्स को फैब्रिकेटेड किया। इसके अलावा, यहां, एसटी12 फेज की उपस्थिति का प्रत्यक्ष सबूत घनत्व कार्यात्मक सिद्धांत (डीएफटी) का उपयोग करके प्रथम सिद्धांत परिकलन के साथ रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी के संयोजन के माध्यम से ज्ञात हुआ। वर्तमान परिणामों में एसटी 12-गे नैनोवायर के थर्मल गुणों को समझने के लिए महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं।
4. नैनो एवं मृदु पदार्थ विज्ञान केंद्र (सीईएनएस), बेंगलूर ने इलेक्ट्रॉन बीम वाष्पीकरण का उपयोग करके ग्लैसिंग एंगल डिपोजिशन टेकनीक के इस्तेमाल से एसएनओ₂/एनआईओ स्लैन्टेड नैनोरॉड संरचना का संश्लेषण किया ; 0.7/-0.6वीं जितनी औसत सेट/रिसेट वोल्टता पर **A1/Snox/FTO** युक्तियों के इस्तेमाल से अन्वेषित विभिन्न मोटाई (20,40,60 एनएम) वाली **snox** स्लैन्टेड नैनोरॉड व्यूह में रिप्रोड्यूसिबल बाईपोलर रिस्टीव स्वीचिंग प्रेक्षित किया गया।
5. भारतीय ताराभौतिकी संस्थान, बेंगलूर ने सूचित किया कि ब्राइट-रिम्ड क्लाउड (बीआरसी) 18 की ओर स्थित 17 कैंडिडेट युवा तारकीय वस्तुओं (वाईओएस) के आर-

बैंड पोलरिमेट्रिक प्रेक्षण से परिवेशी चुंबकीय क्षेत्र और λ ओरी से ऊर्ज फोटॉनों की दिशा के संबंध में डिस्क के किसी भी पसंदीदा अभिविन्यास का अन्वेषण किया गया। यह पाया गया है कि डिस्क प्रक्षिप्त चुंबकीय क्षेत्र में यादृच्छिक ढंग से अभिविन्यस्त हैं। कैंडिडेट वाईओएस की गाइअ ईडीआर3 से दूरी और उचित गति का उपयोग करते हुए, कैंडिडेट वाईएसओ की सापेक्ष उचित गति λ ओरी से दूर जाने की प्रवृत्ति दिखाती हुई पाई गयी। इसके अतिरिक्त, बीआरसी 18 की ओर ज्ञात कैंडिडेट वाईएसओ के साथ सहगतिमान 12 नए स्रोत पाए गए। इन सह-गतिमान स्रोतों के नए होने की सब से अधिक संभावना है और ये क्षेत्र के संभावित वायएसओ की पहचान करने के लिए किए गए पिछले सर्वेक्षणों में छूट गए हैं।

6. रमन अनुसंधान संस्थान (आरआरआई), बंगलोर में किए गए प्रयोगों ने परिक्षेपी फैराडे घूर्णी उच्चावचन मापन का उपयोग करके रमन चालित शीत परमाणुओं के संग्रहण में प्रचक्रण संसक्तता की गैर संक्रामक (नन इन्वेसिव) पहचान की सूचना दी है, जिससे क्वांटम गैसों और इसी तरह के अन्य तंत्रों में प्रचक्रण सहसंबंधों की जांच की संभावनाओं का उद्घाटन हो जाता है। आरआरआई ने पारंपरिक प्रचक्रण ध्वनि स्पेक्ट्रमिकी की तुलना में संतुलित थर्मल परमाणुओं में मापित संकेत क्षमता में वृद्धि की पांच परिमाण कोटियां प्रदर्शित कीं। ये प्रेक्षण विभिन्न तापमानों पर प्रणोदित परमाणुओं के व्यापक सैद्धांतिक मॉडलिंग के साथ मेल खाते हैं। इनकी ऐसे उपकरणों में संभावित अनुप्रयोग की संभावना है जो छोटे चुंबकीय क्षेत्रों का ठीक से पता लगा सकते हैं, और जिनका खनन और पूर्वक्षण में महत्वपूर्ण अनुप्रयोग है। इस कार्य का बायो मेडिकल इमेजिंग में महत्वपूर्ण अनुप्रयोग भी है, जहां छोटे चुंबकीय क्षेत्र के काल वियोजित मापन अपेक्षित होते हैं।
7. सत्येन्द्र नाथ बसु राष्ट्रीय मौलिक विज्ञान केंद्र (एसएनबीएनसीबीएस), कोलकाता ने पारंपरिक डार्क-सेंसिटाइज्ड सोलर सेल (डीएसएससी) प्रौद्योगिकी की कमियों पर अध्ययन किया और उन सीमित कारकों को दूर करने के लिए पेरोवस्काइट ऑक्साइड की क्षमता को उजागर किया जिससे अत्यधिक कुशल, लागत प्रभावी और स्थिर डीएसएससी के तर्कसंगत डिजाइन का मार्गदर्शन होगा।
8. आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान अनुसंधान संस्थान (एरीज़) नैनीताल के वैज्ञानिक को शामिल कर रही अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक टीम ने तेरह मिलियन प्रकाश वर्ष दूर स्थित मैग्नेटर नामक दुर्लभ श्रेणी के कॉम्पैक्ट स्टार से क्षणिक उच्च ऊर्जा स्पंद को समझने के लिए पहला सुराग पाया है। यह अध्ययन जर्नल *नेचर* में प्रकाशित हुआ। अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक टीम द्वारा कृत अन्य अध्ययन से जिसका मार्गदर्शन ऐरीज शोधार्थी ने किया, रासायनिक रूप से विलक्षण 'हार्टबीट' स्टार की खोज हुई।
9. विज्ञान और इंजीनियरी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), नई दिल्ली विज्ञान और

प्रौद्योगिकी अनुसंधान पुरस्कार (एसईआरबी-स्टार) एसईआरबी परियोजनाओं के प्रमुख जांचकर्ताओं (पीआईएस) के उत्कृष्ट निष्पादन को मान्य और पुरस्कृत करने के लिए एसईआरबी द्वारा स्थापित प्रतिष्ठित पुरस्कार है। यह पुरस्कार अनुसंधान में अनुकरणीय योगदान को स्वीकार करता है और उत्कृष्ट निष्पादन के लिए चल रही परियोजनाओं के पीआईएस को प्रेरित करता है। प्रत्येक पुरस्कार विजेता को तीन वर्ष की अवधि के लिए 15,000 रुपये प्रति माह की अध्येतावृत्ति, 10 लाख रुपये प्रति वर्ष का अनुसंधान अनुदान और 1 लाख रुपये प्रति वर्ष का ओवरहेड शुल्क दिया जाता है। उन्नीस वैज्ञानिकों को वर्ष 2021-22 में एसईआरबी स्टार से सम्मानित किया गया।

10. सीसीपी प्रभाग ने एनएमएसएचई के तहत **वन्य-जीव प्रजाति और पारिस्थितिकी विषयक** टास्क फोर्स परियोजना के दूसरे चरण की भारतीय वन्यजीव संस्थान, (डब्ल्यूआईआई), देहरादून में स्थापना करने में सहायित किया। परियोजना के दूसरे चरण का उद्देश्य हिमालय के वन्यजीवों पर जलवायु प्रभावों की जानकारी को सुदृढ़ करने के लिए एकशन ओरिएंटेड अनुसंधान का संचालन करना है।

च. वैज्ञानिक अवसंरचना निर्माण

1. **विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षण संस्थान एस एंड टी अवसंरचना सुधार कोष (एफआईएसटी)** हितधारकों के साथ मासिक एफआईएसटी परस्पर बोधन बैठक का आयोजन 16 दिसंबर, 2021 को किया गया, जिसमें विभिन्न विषय क्षेत्रों में स्वीकृत और चल रही एफआईएसटी परियोजनाओं के साथ जुड़े विभिन्न अकादमिक संस्थानों के हितधारक शामिल थे। हितधारकों को एफआईएसटी कार्यक्रम में हाल ही में किए गए बदलावों, भारतीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा इंजीनियरिंग सुविधा मैप (आईएसटीएम पोर्टल) में अनुसंधान सुविधा प्रतिचित्रण, निधि का समय पर उपयोग करने और भारतकोष के माध्यम से परियोजना में अर्जित ब्याज जमा करने से अवगत कराया गया।
2. **परिष्कृत विश्लेषण यंत्र सुविधा (सैफ)**
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई में सैफ सुविधा को मजबूत करने की प्रक्रिया के भाग के रूप में, दोहरी बीम केंद्रित आयन बीम स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप प्रणाली को केंद्र में सफलतापूर्वक स्थापित किया गया। सैफ सेंटर में स्थापित सुविधा के उपयोग के लिए प्रशिक्षण देने का भी आयोजन किया गया।